कालका से कलेसर तक के पर्वतीय क्षेत्र को तीर्थाटन के रूप में किया जाएगा विकसित

चर्चा में क्यों?

1 जनवरी, 2023 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने प्रदेशवासियों को नववर्ष का तोहफा देते हुए बताया कि हिमाचल प्रदेश में पड़ने वाले माता मंत्रादेवी मंदिर से आदबिद्री तक रोप-वे बनाने के साथ-साथ शिवालिक हिल्स के कालका से कलेसर तक के पर्वतीय क्षेत्र को तीर्थाटन के रूप में विकसित किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बताया कि प्रदेश में शिवालिक हिल्स में पंचकुला के कालका से यमुनानगर के कलेसर तक के पर्वतीय क्षेत्र को तीर्थाटन के रूप में विकसित करने के अंतर्गत छोटा तिरलोकपुर, आदबिद्री, लोहगढ़, कपालमोचन, कलेसर इत्यादि शामिल हैं। इसके लिये लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) विभाग द्वारा 10 मीटर चौड़ा सड़क मार्ग बनाने की संभावना तलाशी जाएगी।
- इसके अलावा, इस क्षेत्र में साहसिक खेल गतिविधियों जैसे ट्रैकिंग शुरू करने की भी योजना है। सरकार के इन प्रयासों से प्रदेश में जहाँ पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, वहीं स्थानीय लोगों को रोज़गार के अवसर भी मिलेंगे।
- उन्होंने बाबा बंदा सिंह बहादुर द्वारा स्थापित सिख राज की पहली राजधानी लोहगढ़, यमुनानगर में बाबा बंदा सिंह बहादुर के शौर्य एवं बलिदान की गाथा को पुनर्जीवित करने के लिये स्मारक की आधारशिला भी रखी। लोहगढ़ को एक मिनी शहर के रूप में विकसित किया जाएगा।
- उल्लेखनीय है कि बाबा बंदा सिंह बहादुर ने सोनीपत ज़िले के खंडा शेरी गाँव से युवाओं को एकत्र कर सेना गठन की शुरुआत की थी और पूरे हरियाणा में युवाओं के साथ दौरा कर एक सेना खड़ी की और लोहगढ़ को सिख राज की पहली राजधानी बनाया। बाबा बंदा सिंह बहादुर की राजधानी लोहगढ़ का क्षेत्र आधा हरियाणा और आधा हिमाचल में पड़ता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/the-mountainous-region-from-kalka-to-kalesar-will-be-developed-as-a-place-of-pilgrimage